हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

9 औसत से अधिक धान पैदावार भी खरीदेगी सरकार: श्याम सिंह राणा



10 फसल न बिकने से खफा किसानों ने टोहाना अनाज मंडी पर जड़ा ताला



खबर संक्षेप

हेरोइन सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक को 7.38 ग्राम हेरोइन सहित दबोचा है, साथ ही वारदात में प्रयुक्त स्कूटी रिक्शा को भी अपने कब्जे में ले लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गौरव कुमार पुत्र झांगी राम निवासी गांव धारसुल खुर्द, हाल निवासी गांव टिब्बी, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

चोरीशुदा बाइक सहित आरोपी दबोचा

सिरसा। चौकी कालांवाली पुलिस टीम ने गश्त के दौरान एक युवक को चोरीशुदा बाइक सहित काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता आनंद कुमार ने बताया कि चौकी कालांवाली की एक पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंडी कालांवाली में नाकाबंदी के दौरान एक बाइक सवार युवक को काबू किया। जांच करने पर बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं मिली न ही कोई कागजात मिले।

30.27 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सिरसा यूनिट ने बेगू रोड स्थित शांति नगर के पास से पंजाब के तरनतारन जिले के एक नशा तस्करी के आरोपी को 30.27 ग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है। यूनिट इंचार्ज एसआई बनवारी लाल ने बताया कि उनकी टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए शहर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान जब टीम बेगू रोड स्थित शांति नगर के पास थी तो पुलिस की गाड़ी को देखकर सामने से आ रहा फरार होने की कोशिश करने लगा।

भोपाल की एजेंसी 1.22 करोड़ रुपये में करेगी कचरे का सफाया

40 हजार टन कूड़े के पहाड़ से मिलेगी मुक्ति, कल से निस्तारण की तैयारी



फतेहाबाद। डम्पिंग प्वाइंट पर खड़ा कूड़े का पहाड़। फोटो: हरिभूमि

काम की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर की सफाई व्यवस्था के लिए सिरदर्द बने बीघड़ रोड डंपिंग प्वाइंट पर जमा कचरे के पहाड़ को हटाने की तैयारी तेज हो गई है। यहां वर्षों से जमा करीब 40 हजार टन पुराने कचरे के निस्तारण के लिए नगर परिषद ने भोपाल की ओम साईं एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी है। खास बात यह है कि जिस काम पर पहले करीब 1.90 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था, वही काम अब लगभग 1.22 करोड़ रुपये में कराया जाएगा। दर में कमी आने से नगर परिषद को करीब 68 लाख रुपये की बचत होगी। एजेंसी को 20 अक्टूबर से काम शुरू करना है, जबकि परिषद ने निस्तारण की निगरानी के लिए दो कर्मचारियों को तैनात किया है। डंपिंग प्वाइंट पर कचरा वर्षों से जमा होता रहा है। शहर से प्रतिदिन निकलने वाला करीब 40 टन नया कचरा भी समस्या को लगातार बढ़ा रहा है। ऐसे में पुराने कचरे के निस्तारण के साथ रोजाना निकलने वाले कूड़े का व्यवस्थित प्रबंधन करना भी नगर परिषद के सामने बड़ी चुनौती है। अब एजेंसी को काम सौंपे जाने के बाद निगाह इस बात पर रहेगी कि तय समय पर मशीनें लगती हैं या नहीं और कचरे का निस्तारण वास्तव में कितनी तेजी से शुरू होता है।

अलग खबर

मशीनें लगाने के निर्देश दिए

एजेंसी 322 रुपये प्रति टन की दर से कचरे का निस्तारण करने के लिए तैयार है। एजेंसी को जल्द से जल्द मशीनें लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निस्तारण का काम शुरू हो सके। -सुमित चोपड़ा, एमडी, एमई, नगर परिषद

600 से घटकर 322 रुपये प्रति टन हुई दर

नगर परिषद के अधिकारियों के अनुसार, पुराने कचरे के निस्तारण के लिए शुरुआत में एजेंसी ने 600 रुपये प्रति टन की दर बताई थी। इस हिसाब से करीब 40 हजार टन कचरे के निस्तारण पर लगभग 2.40 करोड़ रुपये खर्च होते। बाद में मामला उच्चाधिकारियों के पास भेजा गया और 322 रुपये प्रति टन की दर पर काम कराने का निर्णय हुआ। एजेंसी ने भी इस दर पर काम करने की सहमति दे दी। नई दर के अनुसार, 40 हजार टन कचरे के निस्तारण की अनुमानित लागत करीब 1.29 करोड़ रुपये बैठती है, जबकि नगर परिषद के अनुसार निर्धारित काम का खर्च लगभग 1.22 करोड़ रुपये रहेगा। पहले के 1.90 करोड़ रुपये के अनुमान से तुलना करने पर करीब 68 लाख रुपये की बचत बताई जा रही है। हालांकि, अंतिम खर्च वास्तविक मात्रा, अनुबंध की शर्तों और काम की प्रगति पर निर्भर करेगा।

दो बार मिल चुके चार-चार लाख के जुर्माना नोटिस

डंपिंग प्वाइंट पर लंबे समय से कचरा जमा होने के कारण नगर परिषद पर पर्यावरणीय नियमों के पालन का दबाव भी है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड परिषद को दो बार चार-चार लाख रुपये के जुर्माने के नोटिस भेज चुका है। ऐसे में पुराने कचरे का निस्तारण शुरू करना परिषद के लिए जरूरी हो गया है। इसके बावजूद चुनौती केवल 40 हजार टन पुराने कचरे को हटाने तक सीमित नहीं है। शहर से प्रतिदिन निकलने वाले करीब 40 टन नए कचरे के लिए भी ऐसी व्यवस्था करनी होगी कि वह दोबारा इसी तरह बड़े ढेर का रूप न ले।

वैज्ञानिक तरीके से अलग की जाएगी उपयोगी सामग्री

एजेंसी को पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना होगा। इस प्रक्रिया में प्लास्टिक, कांच, धातु और दूसरी पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग किया जाएगा। जैविक कचरे का प्रसंस्करण भी किया जाना है। इसका उद्देश्य डंपिंग प्वाइंट पर जमा पुराने कचरे की मात्रा घटाना और उसे अधिक व्यवस्थित तरीके से निस्तारित करना है। नगर परिषद ने निस्तारण प्रक्रिया और काम की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि एजेंसी निर्धारित समय पर मशीनें लगाकर काम शुरू करती है या नहीं। साथ ही, कचरे की मात्रा और निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी जरूरी होगी, ताकि केवल कागजों में नहीं, बल्कि मौके पर भी कचरे के ढेर में कमी दिखाई दे।



टोहाना। बैटरी स्टोर में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते दमकल कर्मचारी।

मलिक बैटरी फैक्ट्री के स्टोर में भड़की आग

टोहाना, जाखल और धारसूल से पहुंचीं दमकल गाडिय़ां लाखों के नुकसान की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के अमानी से खनौरा की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित मलिक बैटरी फैक्ट्री के स्टोर में रविवार दोपहर अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और स्टोर से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में हलचल मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें आग बुझाने में जुट गईं। टोहाना के अलावा जाखल और धारसूल से भी दमकल गाडिय़ां बुलाई गईं। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शुरुआती अनुमान के अनुसार, आगजनी में लाखों रुपये का नुकसान हो सकता है। शुरुआत में धुएं का गुबार नजर आया, लेकिन कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं। सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

अमानी बस स्टैंड से दिखाई दिया धुएं का गुबार

गांव अमानी निवासी सुरजीत ने बताया कि वह रविवार दोपहर अमानी बस स्टैंड पर मौजूद था। इसी दौरान उसे मलिक बैटरी स्टोर की ओर से धुआं उठता दिखाई दिया। इसके बाद वह मौके पर पहुंचा तो स्टोर से आग की तेज लपटें निकल रही थीं। आग तेजी से फैलती नजर आ रही थी। घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचने लगे। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

युवक 102 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार

चोपटा। नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए सिरसा पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए ऐलनाबाद पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए गांव कागदाना क्षेत्र से एक युवक को 102 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद टीम प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान नाथूसरी चोपटा से होते हुए गांव कागदाना की तरफ जा रही थी। इसी दौरान जब पुलिस पार्टी गांव कागदाना के नजदीक पहुंची तो सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया।

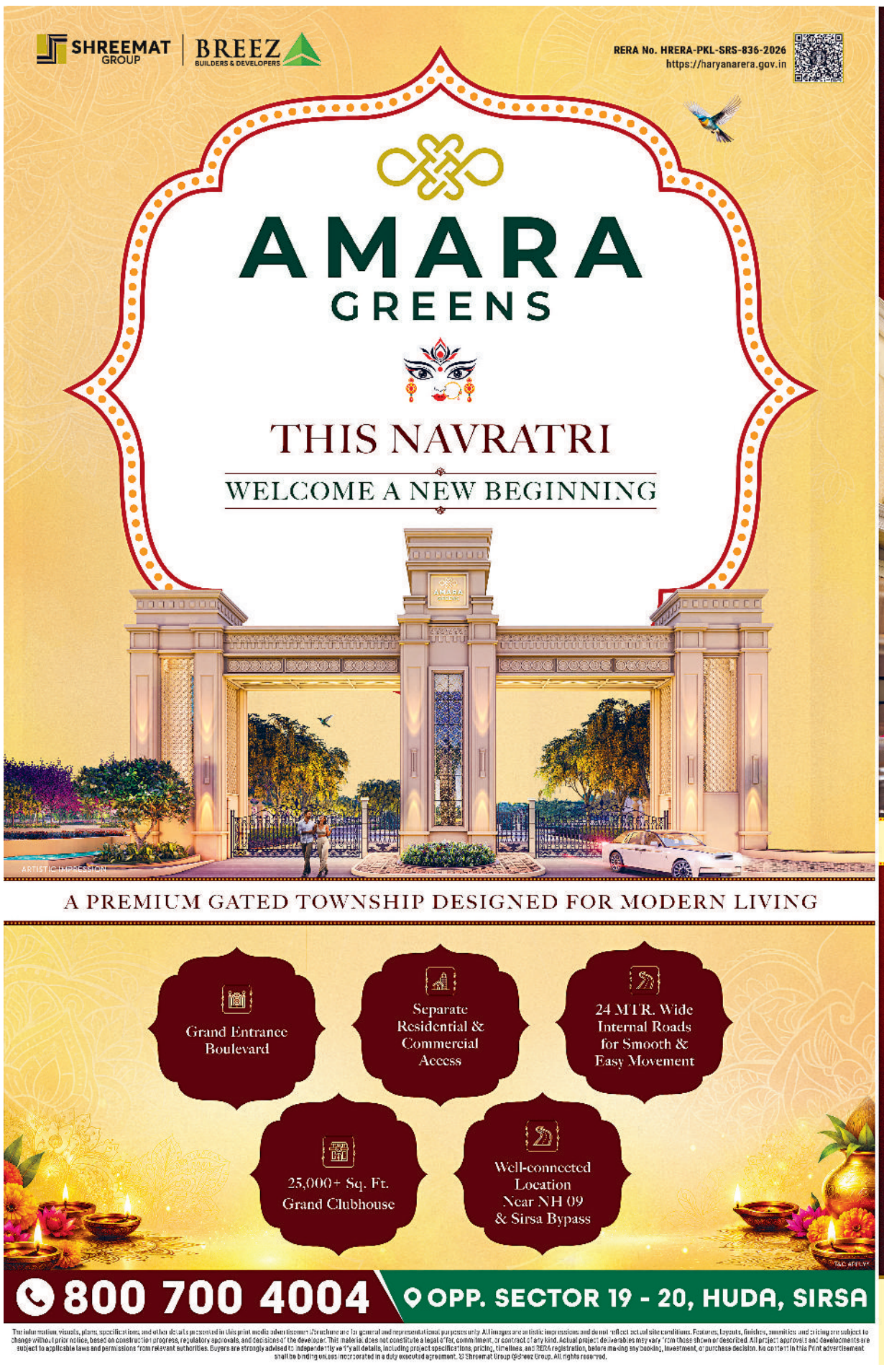



मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल

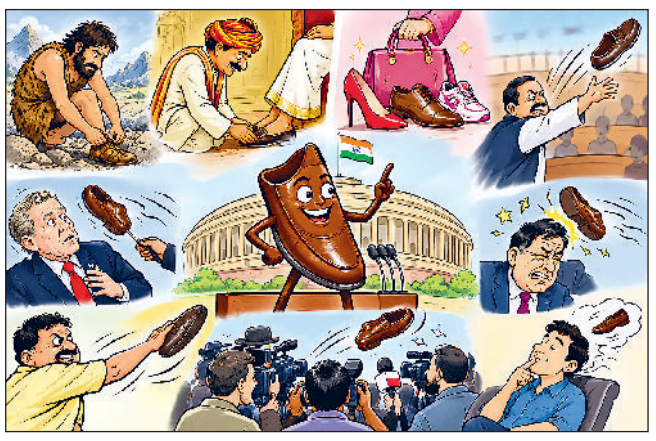

जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

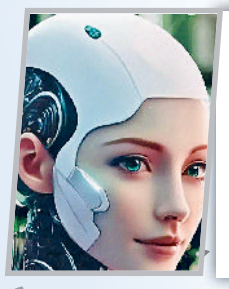

प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

कृषि मंत्री ने सिरसा, डबवाली, कालांवाली, रानियां की अनाजमंडी में व्यवस्थाएं जांची

औसत से अधिक धान पैदावार भी खरीदेगी सरकार: श्याम सिंह राणा

अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने की किसानों की समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश

किसानों और आढ़तियों से की बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किसी किसान के खेत में निर्धारित औसत से अधिक धान की पैदावार हुई है तो उसकी अतिरिक्त उपज की खरीद को लेकर किसान परेशान न हों। ऐसे किसान अपनी अधिक पैदावार का विवरण संबंधित मार्केट कमेटी के सचिव को लिखित रूप में दें। किसान के आग्रह पर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को औसत से अधिक उत्पादन होने की स्थिति में फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। कृषि मंत्री रविवार को सिरसा जिला की डबवाली, कालांवाली, रानियां और सिरसा अनाज मंडियों का दौरा कर खरीफ सीजन की फसल खरीद व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर धान खरीद, फसल के उठान, भुगतान, बारदाने, खाद तथा मंडियों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।



फतेहाबाद। अनाज मण्डी में खरीद कार्य का जायजा लेते कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा।

मंडियों में जगह की समस्या नहीं आने देंगे

कृषि मंत्री ने कहा कि जिन मंडियों में फसल रखने के लिए जगह की समस्या सामने आ रही है, वहां अतिरिक्त स्थान उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। जहां से इस संबंध में आवेदन प्राप्त हुए हैं, वहां आवश्यक कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों के सामने फसल रखने के लिए जगह की समस्या नहीं आने दी जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मंडियों में उपलब्ध स्थान का बेहतर प्रबंधन करते हुए खरीद और उठान की प्रक्रिया लगातार जारी रखी जाए। सिरसा, कालांवाली और रानियां अनाज मंडी में आढ़ती एसोसिएशन ने कृषि मंत्री को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। कृषि मंत्री ने आढ़तियों को उनकी मांगों पर जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

समय पर करें उठान

कृषि मंत्री ने कहा कि धान में निर्धारित 17 प्रतिशत तक नमी होने पर नियमानुसार खरीद की जा रही है। जे-फार्म कटने के बाद किसानों को उनकी फसल का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद के बाद फसल का उठान समय पर करवाया जाए तथा बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

खाद की किल्लत नहीं होगी

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में खाद की किल्लत नहीं रहने दी जाएगी। पोर्टल पर पंजीकृत जमीन के अनुसार खाद उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सिरसा जिले में भी खाद उपलब्ध करवाया गया है और किसानों को खाद के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

मंत्री बोले : खरीद, उठान और भुगतान में न हो देरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रतिया में किसानों ने किया विरोध, जमकर की नारेबाजी

खरीफ खरीद सीजन में धान खरीद, उठान और भुगतान में देरी न हो, इसके लिए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को फतेहाबाद, रतिया और टोहाना अनाज मंडियों का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। रतिया में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति से जुड़े किसानों ने मंत्री के दौरे का विरोध करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने एमएसपी पर फसल खरीद सुनिश्चित करने, मंडियों में किसानों की फसल की लूट बंद करने, बाहरी राज्यों से आ रहे धान पर रोक लगाने और डीएपी खाद की कमी दूर करने की मांग उठाई। एक तरफ सरकार मंडियों में खरीद व्यवस्था पारदर्शी बनाने का दावा कर रही है, तो दूसरी तरफ किसान खरीद प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों और खाद की किल्लत को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को फतेहाबाद में भट्टू रोड स्थित अनाज मंडी और सिरसा रोड स्थित नई अनाज मंडी का दौरा कर धान की आवक, खरीद, उठान और किसानों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से खरीद प्रक्रिया की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। खरीद एजेंसियों और मार्केट कमेटी के बीच बेहतर तालमेल बनाकर काम किया जाए।



समय पर भुगतान के निर्देश

मंत्री ने कहा कि खरीदी गई धान की फसल का उठान समय पर होना चाहिए, ताकि मंडियों में जगह की कमी के कारण नई फसल लेकर आने वाले किसानों को परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को परिवहन व्यवस्था की नियमित निगरानी करने और उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को उनकी फसल का भुगतान निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने मंडियों में पेयजल, बिजली, साफ-सफाई और शौचालय सहित बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि खरीद प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी ढंग से पूरी की जाए और किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान हो। सरकार की प्राथमिकता किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए सुविधाजनक माहौल उपलब्ध करवाना है। मंत्री के फतेहाबाद दौरे के दौरान पूर्व विधायक दुड़ाराम, एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, मार्केट कमेटी चेयरमैन जगदीश जाखड़, डीएमईओ अभिनव वालिया, डीडीए विनोद फोगाट, डीएफएससी कुशल बुरा और मार्केट कमेटी सचिव अमित रोहिल्ला सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



भट्टूकलां। अग्रोहा धाम का भ्रमण करते 9 राज्यों से आए एनएसएस स्वयंसेवक।

विद्यार्थियों ने जाना देश का गौरवशाली अतीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों को देश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और गौरवशाली अतीत से रूबरू कराया गया। दिन की शुरुआत प्रातःकालीन सत्र में योग एवं ध्यान के साथ हुई, जिसे विशेषज्ञ नरेश ग्रोवर ने संपन्न कराया। उन्होंने बच्चों को मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने के गुर सिखाए। तत्पश्चात स्कूल की प्रधानाचार्या नेहा भाटिया ने बच्चों के बौद्धिक विकास और त्वरित निर्णय क्षमता को बढ़ाने के लिए मनोरंजक ब्रेन गेम्स की गतिविधियों का आयोजन किया। दिन के द्वितीय सत्र में शिविरार्थी बच्चों का एक दल ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल अग्रोहा के शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ। अग्रोहा पहुंचने पर अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने सभी बच्चों और अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर एनएसएस के राज्य प्रभारी दिनेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की विस्तृत जानकारी दी।

अग्रोहा शक्तिपीठ के किए दर्शन

भ्रमण के दौरान बच्चों ने प्रसिद्ध अग्रोहा शक्तिपीठ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पुरातत्व विभाग के संग्रहालय और ऐतिहासिक टीले का अवलोकन कर भारत के प्राचीन इतिहास को करीब से जाना। गौरतलब है कि इस सात दिवसीय राष्ट्रीय शिविर में देश के 9 अलग-अलग राज्यों तथा हरियाणा के 6 जिलों से कुल 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के माध्यम से बच्चों को न केवल सामाजिक सेवा बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिल रहा है।

भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस पर जांचा स्वास्थ्य

फतेहाबाद। भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को किला मोहल्ला स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया। कैंप का आयोजन अनिल मेहता व राजेश मदान अपूर्व फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट टोहाना की ओर से किया गया। कैंप में डॉ. शिव, डॉ. अशोक तनेजा, डॉ. लक्ष्मी सोनी और डॉ. करण मदान ने सेवाएं दी। इस दौरान शुगर, बीपी सहित अन्य टेस्ट फ्री किए गए और दवाइयां भी निशुल्क दी गई। समाजसेवी अनिल मेहता ने बताया कि हर जरूरतमंद को इसका फायदा मिले, यही उद्देश्य है। यह कैंप हर महीने लगाया जाता है। पहले बिटिया के जन्मदिन पर लगाया था, इस बार वाल्मीकि जयंती पर लगाया है। आयोजक राजेश मदान ने कहा कि मेडिकल कैंपों में भीड़ आना चिंता का विषय है। खुशी उस दिन होगी जब कैंप में एक भी मरीज नहीं आएगा और देश में कोई बीमार नहीं होगा। स्वस्थ व्यक्ति ही परिवार और देश को आगे ले जा सकता है। कैंप में आई महिलाओं ने कहा कि उन्हें शुगर की दिक्कत थी, यहां फ्री जांच और दवा मिली, इससे काफी फायदा होगा।

29 को रखा जाएगा करवा चौथ का व्रत

पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं रखेंगी व्रत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

करवा चौथ

व्रत की तारीख	: 29 अक्टूबर गुरुवार
चतुर्थी तिथि शुरू	: रात 1:06 बजे
चतुर्थी तिथि समाप्त	: रात 10:09 बजे
पूजा का शुभ मुहूर्त	: शाम 5:38 बजे से 6:56 बजे तक
फतेहाबाद में चंद्रोदय	: रात करीब 8:17 बजे
व्रत खोलने का समय	: चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद



पंडित सोनू शर्मा

करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत खास माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रमा निकलने तक व्रत रखती हैं। शाम को पूजा करने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है और फिर पति के हाथों से पानी पीकर व्रत खोला जाता है। इस साल करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा। यह व्रत हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार, इस बार चतुर्थी तिथि 29 अक्टूबर की रात 1:06 बजे शुरू होकर 29 अक्टूबर की रात 10:09 बजे समाप्त होगी।

प्रतिबंधित नशीली गोलियों की बरामदगी में आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सीआईए रतिया द्वारा पकड़ी गई 8,800 प्रतिबंधित नशीली गोलियों की बड़ी खेप के मामले में अब पुलिस ने सप्लाई चेन की अहम कड़ी तक पहुंचते हुए मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस चौकी महमड़ा की टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर निशान सिंह पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी बाडांराला, जिला करनाल को दबोच लिया है। एसपी निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए रतिया की पुलिस टीम ने 16 अक्टूबर को 8,800 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद की थीं। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 4,000 ट्रामाडोल तथा 4,800 अल्प्राजोलम की गोलियों सहित शाहिद बाबू सैफी पुत्र लियाकत हुसैन निवासी उत्तम नगर, दिल्ली को काबू किया था। बरामद नशीली गोलियों की अनुमानित बाजार कीमत करीब 5 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई थी।

26 साल से रामलीला में लक्ष्मण का किरदार निभा रहे संदीप सोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद की ऐतिहासिक चिल्ली वाली रामलीला में शहर के अलावा आसपास के गांवों से काफी संख्या में लोग देखने के लिए पहुंच रहे हैं। इस रामलीला में किरदार निभाने वाला हर कलाकार अपने आप में कोई न कोई खूबी लिए हुए है। रामलीला में पिछले 26 सालों से लक्ष्मण का रोल अदा कर रहे संदीप सोनी को अपने किरदार का एक-एक डायलॉग याद है। वह सुबह जहां मोबाइल की दुकान चलाते हैं वहीं रात को रामलीला की रिहर्सल व रामलीला आरंभ होने के बाद रामलीला में पहुंच जाते हैं। फतेहाबाद की चिल्ली वाली रामलीला में संदीप सोनी का लगाव बचपन से ही रहा है। पहले वह लक्ष्मण के बाल्यकाल का रोल अदा करते थे और बड़े लक्ष्मण का।

22 सालों से वेदवती का किरदार भी निभा रहे

संदीप सोनी की शहर में मोबाइल की दुकान है। वह दिनभर दुकान पर काम करते हैं और रात को रामलीला में पहुंच जाते हैं। रामलीला मंचन के दौरान तो उनको रात के दो तक बज जाते हैं, लेकिन फिर भी सुबह अपनी दुकान चलाते हैं और रात को रामलीला में अदाकारी करते हैं। संदीप सोनी लक्ष्मण के अलावा पिछले 22 सालों से वेदवती का किरदार भी निभा रहे हैं।



शातिर आरोपी काबू, हरियाणा व गुजरात में दर्ज है 10 मुकदमे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सीआईए टोहाना पुलिस ने ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दमकौरा रोड स्थित ऋग्वेदा स्कूल के पास से एक शातिर युवक को 32 बोर की अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस सहित दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में हरियाणा और गुजरात के विभिन्न थानों में 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल पुत्र चैना राम निवासी तिलक नगर, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2010 से 2021 के दौरान हरियाणा के हिसार, टोहाना, जींद, जाखल और गुजरात के भरूच क्षेत्र में कुल 10 अभियोग दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, चोरी, छीनाझपटी, मारपीट, चोरी और आर्म्स एक्ट जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं। उपनिरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

80 लोगों की हुई निःशुल्क शुगर-बीपी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को मॉडल टाऊन स्थित पपीहा पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पार्क में सैर करने आए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कुल 80 लोगों के ब्लड प्रेशर और शुगर की निशुल्क जांच की गई। शिविर में सरबत दा भला संस्था की सन्नी ओबेरॉय लैब की ओर से लोगों को निःशुल्क बीपी और शुगर जांच की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ केशव माधव सेवा ट्रस्ट के गुरबख्श मोंगा और नरेश बंसल ने किया। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र मेहता और लैब टेक्नीशियन प्रेम कंबोज ने अपनी सेवाएं दीं। डॉ. महेंद्र मेहता ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना बेहद जरूरी है।



फतेहाबाद। पार्क में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते विशेषज्ञ।

लोगों का जताया आभार

सिटी वेलफेयर क्लब के अध्यक्ष विनोद अरोड़ा ने कहा कि सरबत दा भला संस्था की लैब डॉ. सुमन बजाज अस्पताल में बहुत कम दरों पर लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। जरूरतमंदों को सस्ती दरों पर स्वास्थ्य सेवाएं देना एक सराहनीय और पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर सरबत दा भला संस्था के अध्यक्ष रसप्रीत सिंह ग्रोवर ने शिविर में पहुंचे सभी अतिथियों, सहयोगियों और स्वास्थ्य जांच करवाने आए लोगों का आभार व्यक्त किया।

बंद कमरे में चल रहा था जुए का अड्डा, पुलिस ने 7 पकड़े

फतेहाबाद। शहर के अशोक नगर क्षेत्र में एक मकान के भीतर बंद कमरे में जुए की महफिल सजी हुई थी, जहां रुपये दांव पर लगाकर सात व्यक्ति हार-जीत के खेल में अपनी किस्मत आजमा रहे थे। लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने अचानक मकान पर छापेमारी कर दी। पुलिस की इस दबिश के बाद जुए की पूरी बाजी पलट गई और जीत की उम्मीद लगाए बैठे सातों व्यक्ति पुलिस के हत्थे चढ़ गए। मौके से पुलिस ने करीब 1 लाख 16 हजार रुपये की जुआ राशि बरामद की है। थाना शहर प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि जिले में जुआ, सट्टा एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।



बाइक सवार दो युवक 6.75 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव रुपाणा क्षेत्र से बाइक सवार दो युवकों को हजारों रुपए की 6 ग्राम 75 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि सीआईए सिरसा की पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान नहराणा रोड गांव रुपाणा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से बाइक सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस की गाड़ी को देखकर दोनों युवकों ने अचानक बाइक वापस मोडकर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस टीम ने शक के आधार पर उनका पीछा किया और उसे काबू कर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में आरोपियों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 6 ग्राम 75 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। पुलिस ने बाइक को भी कब्जे में ले लिया है। आरोपियो की पहचान सुरेश उर्फ भोला पुत्र रामरूप व विकास पुत्र भरत सिंह निवासी गांव रुपाणा, जिला सिरसा के रूप में हुई है। आरोपियो के खिलाफ नाथूसरी चौपटा थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान पूछताछ कर पता लगाया जाएगा कि वे हैरोइन कहां से लेकर आया था और इसकी सप्लाई किसे की जानी थी? साथ ही नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी।

7 किलो 260 ग्राम डोडा पोस्त के साथ आरोपी दबोचा

फतेहाबाद। एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद की टीम ने एक व्यक्ति को 7 किलो 260 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान संजीव कुमार उर्फ संजू निवासी ढाणी बालन वाली, गांव खजूरी जाटी के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक अजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त करते हुए गांव गोरखपुर से न्यूक्लियर पावर प्लांट की तरफ जा रही थी। इसी दौरान जब पुलिस टीम गांव गोरखपुर से करीब एक किलोमीटर आगे पहुंची, तो सडक किनारे एक युवक हाथ में पीले रंग का प्लास्टिक का कट्टा लिए हुए दिखाई दिया। युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे रोक लिया और पूछताछ की। कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें से 7 किलो 260 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद किए गए नशीले पदार्थ को नियमानुसार अपने कब्जे में ले लिया है। इस संबंध में थाना भूना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह यह नशीला पदार्थ कहां से लेकर आया था और किसे सप्लाई करने वाला था।

व्यापार प्रकोष्ठ के चेयरमैन राजेश ठकराल के समक्ष व्यापारियों ने रखीं मांगें

बस स्टैंड, थाना-अस्पताल शहर के अंदर रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के व्यापारियों ने बस स्टैंड, थाना और अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं को शहर के अंदर ही बनाए रखने की मांग उठाई है। व्यापारियों का कहना है कि फतेहाबाद जैसे छोटे शहर में इन सुविधाओं का विशेष महत्व है। इनके शहर से बाहर जाने से बाजार में ग्राहकों की आवाजाही कम हुई है और स्थानीय व्यापार प्रभावित हुआ है। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल व्यापारियों की समस्याएं सुनने के लिए थाना रोड स्थित हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश सचिव विनोद अरोड़ा के प्रतिष्ठान पर पहुंचे। इस दौरान व्यापार मंडल शहरी अध्यक्ष अशोक नारंग के नेतृत्व में व्यापारियों ने उनके समक्ष व्यापार और शहर के विकास से जुड़ी विभिन्न मांगें रखीं। इस अवसर पर रामजीलाल अरोड़ा, साहब दयाल वधवा, ओमप्रकाश चुघ, मोहन लाल अरोड़ा ने शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया?। व्यापारियों ने एकजुट होकर कहा कि बस स्टैंड, थाना और अस्पताल आमजन की जरूरतों से जुड़े महत्वपूर्ण संस्थान हैं।



फतेहाबाद। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल का स्वागत करते व्यापारी।

निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था की भी मांग

बैठक के दौरान व्यापारियों ने अपने हितों से जुड़ी अन्य समस्याएं भी उठाई। उन्होंने व्यापारियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था करने और ऑनलाइन बाजार पर उचित नियंत्रण लगाने की मांग की। व्यापारियों का कहना था कि ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन से स्थानीय दुकानदारों के कारोबार पर असर पड़ रहा है, इसलिए सरकार को छोटे और मध्यम व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर जनरल मर्चेंट एसोसिएशन से मोहन अरोड़ा, क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन से राजेंद्र गिल्होत्रा, इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन से जसविंदर कुमरा, प्रवीण जैन, रेडीमेड एसोसिएशन से प्रेम अहुजा, साहिल अरोड़ा, मेडिकल एसोसिएशन से अनिल अरोड़ा, हरप्रीत सिंह, मनोज ठाकुर आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सोने-चांदी के जेवरात चुराने का आरोपी काबू,

सिरसा। एबीवीटी स्टाफ सिरसा की टीम ने घरेलू सामान चुराने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा सामान भी बरामद कर लिया है। एबीवीटी स्टाफ प्रभारी ने बताया कि सोनू निवासी चतरगढ़ पट्टी सिरसा ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दी थी जिसमें कहा गया था कि 5 अक्तूबर 2026 को दोपहर के समय अज्ञात युवक उसके घर का ताला तोडक़र सोने चांदी के जेवरात तथा घरेलू सामान चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन सिरसा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

युवक पर हमला करने का पांचवां आरोपी काबू

फतेहाबाद। युवक पर जानलेवा हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाने के मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए पांचवें आरोपी की पहचान जसवीर सिंह उर्फ जस्सी निवासी गांव बीराबदी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना सदर प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल ने बताया कि पीड़ित युवक अबनूर पुत्र भूपिन्द्र सिंह निवासी गांव बीराबदी ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि अगस्त 2026 में वह अपने चाचा के घर पर मौजूद था। इसी दौरान आरोपियों ने उसपर हमला किया था।

धूमधाम से मनाया जाएगा भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव

डबवाली। भगवान वाल्मीकि महाराज का प्रकटोत्सव पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ वार्ड नंबर 13 में न्यू बस स्टैंड रोड पर स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समाज के लोगों की एक अहम बैठक भी हुई जिसमे विचार विमर्श कर कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई। मंदिर के सेवक राकेश वाल्मीकि ने बताया कि 24 अक्टूबर को मंदिर में श्री रामायण पाठ का शुभारंभ होगा जिसमें एसडीएम डबवाली योगेश दिलहोर मुख्यातिथि के तौर पर व विशेष अतिथि के रुप में नगरपरिषद डबवाली के कार्यकारी अधिकारी सुरेंद्र कुमार उपस्तिथ होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी नवीन मिढ़ा करेंगे।

धान खरीद की खामियां दूर करे सरकार: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा की अनाज मंडियों में धान खरीद के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को परेशान करना बंद करे। रविवार को जारी बयान में मंडियों में कमजोर इंटरनेट नेटवर्क, टोकन जारी होने में गड़बड़ी और खरीद प्रक्रिया में देरी से किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सिरसा की मंडियों में 71,696 मीट्रिक टन धान की आवक के मुकाबले 29,341 मीट्रिक टन की खरीद होना चिंताजनक है। सांसद ने कहा कि किसान अपनी फसल लेकर मंडियों में इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सरकारी अव्यवस्थाओं के कारण समय पर खरीद नहीं हो रही। जिससे किसान परेशान है।



गतका को खेलो इंडिया में शामिल करने से खिलाड़ियों को मिल रहा प्रोत्साहन : गंगवा

- राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं जूनियर गतका चैंपियनशिप, लडक़ों की फर्री सोटी में पंजाब, लड़कियों की सिंगल सोटी टीम स्पर्धा में दिल्ली ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭| रतिया



रतिया। गतका चैम्पियनशिप के विजेताओं को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो : हरिभूमि

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने और खिलाडिय़ों को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने में हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। गतका को खेलो इंडिया में शामिल करना इस पारंपरिक खेल को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे खिलाडिय़ों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढऩे के अवसर मिल रहे हैं। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा रतिया स्थित गुरु नानक डिफेंस एंड स्पोर्ट्स एकेडमी में गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 10वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं जूनियर गतका चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन किया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता में देश के 21 राज्यों से एक हजार से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इस कार्यक्रम में पहुंचना था, लेकिन विदेश दौरे पर होने के कारण उनके प्रतिनिधि के रूप में उन्हें यहां आने का अवसर मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से खिलाडिय़ों, प्रशिक्षकों, कोच और अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह बलियाला, पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा, रतिया के एसडीएम सुरेंद्र सिंह, गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रधान राजिंदर सिंह सोहल, महासचिव बलजिंद्र सिंह, गतका एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के प्रधान सरवन सिंह, रणधीर सिंह, जिले सिंह, सुरेश मेहता, विनोद बंसल, कृति, गुरमुख, सुभाष खिलेरी, उदय सिंह, डॉ. नैब सिंह मंडेर, नरेश और संजय सहित गणमान्य नागरिक व खिलाड़ी मौजूद रहे।

पारंपरिक मार्शल आर्ट को दे रहे बढ़ावा

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गतका भारत की पारंपरिक मार्शल आर्ट विधा है। यह खेल शारीरिक दक्षता, अनुशासन, आत्मविश्वास, साहस और एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इसके माध्यम से युवा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़ते हैं। हरियाणा के खिलाडिय़ों ने अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बनाई है। प्रदेश सरकार भी खिलाडिय़ों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल भी पहुंचे। उन्होंने सिख परंपरा में गतका के महत्व और गुरु की फौज की गौरवशाली विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रतिया में राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप का आयोजन क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ क्षेत्र में खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं। उन्होंने खिलाडिय़ों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आयोजकों को बधाई दी।

प्रतियोगिता के परिणाम

अंडर-11 लडक़ों की फर्री सोटी टीम स्पर्धा में पंजाब ने स्वर्ण, हरियाणा ने रजत, दिल्ली ने कांस्य और महाराष्ट्र ने चौथा स्थान हासिल किया। सिंगल सोटी टीम स्पर्धा में झारखंड पहले, हरियाणा दूसरे, पंजाब तीसरे और महाराष्ट्र चौथे स्थान पर रहा। अंडर-11 लड़कियों की सिंगल सोटी टीम स्पर्धा में दिल्ली ने स्वर्ण, हिमाचल प्रदेश ने रजत, बिहार ने कांस्य और राजस्थान ने चौथा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 लडक़ों की फर्री सोटी व्यक्तिगत स्पर्धा में पंजाब ने स्वर्ण, चंडीगढ़ ने रजत, दिल्ली ने कांस्य और हिमाचल प्रदेश ने चौथा स्थान हासिल किया। सिंगल सोटी व्यक्तिगत स्पर्धा में चंडीगढ़ पहले, हिमाचल प्रदेश दूसरे, राजस्थान तीसरे और पंजाब चौथे स्थान पर रहा। अंडर-14 लड़कियों की फर्री सोटी टीम स्पर्धा में दिल्ली ने स्वर्ण, पंजाब ने रजत, हरियाणा ने कांस्य और झारखंड ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

फसल खरीद न होने से नाराज किसानों ने मंडी गेट पर जड़ा ताला

बोले : सरकार एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदे

- 8-10 दिन से मंडी में धान लेकर बैठे किसान, बारदाना नहीं मिलने और 200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल तक कटौती के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद



फतेहाबाद। टोहाना में अनाज मण्डी के गेट पर ताला जड़ते किसान।

फतेहाबाद जिले के टोहाना में धान खरीद में देरी, बारदाने की भारी कमी और फसल के उचित दाम नहीं मिलने को लेकर किसानों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। रविवार को परेशान किसानों ने टोहाना की अनाज मंडी के गेट पर ताला जड़ दिया और प्रशासन व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जोरदार रोष प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि वे पिछले आठ से दस दिनों से अपनी फसल लेकर मंडियों में बैठे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

प्रदर्शन कर रहे किसान राजेश कुमार, हरमेल सिंह, जगजीत सिंह, जरनेल सिंह, सुखचैन, रामलाल, मनदीप सहित अन्य किसानों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि किसान छह महीने तक दिन-रात कड़ी मेहनत करके अपनी फसल तैयार करता है, लेकिन मंडी में पहुंचने पर उसे अपनी ही उपज बेचने के लिए भारी धक्के खाने पड़ रहे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि वेयरहाउस में धान की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुकूल होने के बावजूद सरकारी दर पर खरीद में बाधाएं आ रही हैं और समय पर बारदाना उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है, जिससे किसानों को कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल तक कटौती

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई मामलों में उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए मजबूरी में कम दाम स्वीकार करने पड़ रहे हैं। उन्होंने 200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल तक की जा रही कथित कटौती पर कड़ा सवाल उठाया और मांग की कि किसानों की फसल की खरीद पूरी तरह पारदर्शी तरीके से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होनी चाहिए। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार बिना पूरी जानकारी के पर्चियां थमा दी जाती हैं, जिससे तौल और भुगतान की प्रक्रिया में भी अनावश्यक परेशानियां सामने आ रही हैं। किसानों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि खेती पर अपनी पूरी पूंजी और मेहनत लगाने के बाद उन्हें बच्चों की स्कूल फीस, घर के खर्च और अन्य जरूरी जिम्मेदारियां पूरी करनी होती हैं। यदि समय पर धान नहीं बिका, तो अन्नदाता के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। किसानों ने मांग की है कि सरकार उनकी फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदे, बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था करे और खरीद प्रक्रिया में तेजी लाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो किसानों को बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोहाना अनाज मंडी में धान के फूस के ढेरों से बढ़ी परेशानी

- सचिव ने ठेकेदार को दी चेतावनी, 24 घंटे में सफाई का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना की मुख्य व नई अनाज मंडी में इन दिनों धान की बंपर आवक जारी है। सीजन चरम पर होने के साथ ही मंडियों में अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही का आलम भी देखने को मिल रहा है। मंडी परिसर के साथ-साथ मुख्य पहुंच मार्गों और आंतरिक सडक़ों पर धान के फूस के बड़े-बड़े ढेर लग गए हैं। फूस के इन ढेरों के कारण मंडी में आने वाले किसानों, आढ़तियों, पल्लेदारों और ट्रक चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ रही इस जनसमस्या को लेकर आढ़तियों व किसानों द्वारा मार्केट कमेटी अधिकारियों से बार-बार शिकायतें दर्ज कराई जा रही थीं। स्थानीय मंडी में स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि फूस के ढेर लगने से रास्ते बेहद तंग हो गए हैं। धान लादकर आने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और ट्रकों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो रही है, जिससे मंडी परिसर में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं, हवा चलने के साथ ही उडऩे वाला फूस किसानों व मजदूरों की आंखों और सांसों में समा रहा है, जिससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले ठेकेदार द्वारा लंबे समय से सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा था।

फोन तक नहीं उठा रहा था ठेकेदार, सचिव ने कार्यालय बुलाकर लगाई फटकार

शिकायतों का कड़ा संज्ञान लेते हुए मार्केट कमेटी के सचिव संदीप गर्ग ने ठेकेदार के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है। सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि टोहाना की दोनों मंडियां इस समय धान के फूस से पूरी तरह अटी पड़ी हैं। उन्होंने खुलासा किया कि सफाई व्यवस्था का जायजा लेने और फूस उठवाने के लिए जब

24 घंटे में सफाई का अल्टीमेटम

अधिकारियों की सख्त चेतावनी के बाद बैकफुट पर आए ठेकेदार ने मार्केट कमेटी प्रशासन को भरोसा दिलाया है कि वह 24 घंटे के भीतर मंडी परिसर और सडक़ों से पूरे फूस का उठान सुनिश्चित करवा देगा। मामले की गंभीरता को स्पष्ट करते हुए सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि मंडी स्वच्छता नियमों के तहत यदि ठेकेदार निर्धारित समय सीमा के भीतर फूस का उठान पूरा नहीं करता है, तो उस पर प्रति दिन 5,000 रुपये जुर्माना लगाने का स्पष्ट प्रावधान है।

न्यूज डायरी

राजकीय नेशनल कॉलेज में संगीत विषय परिषद गठित



सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय के संगीत विभाग में वादन संगीत परिषद का विधिवत गठन किया गया, जिसके साथ ही एक भव्य वादन संगीत प्रतियोगिता का सफल आयोजन भी संपन्न हुआ। संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सीमा रानी एवं तबला वादक कर्मवीर कौशिक ने विद्यार्थियों को विभिन्न वाद्ययंत्रों की बारीकियों, लय और ताल का गहन अभ्यास कराकर प्रतियोगिता के लिए तैयार किया। प्रतियोगिता के साथ-साथ संगीत परिषद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई, जिसमें तृतीय वर्ष के निखिल को प्रधान, द्वितीय वर्ष की पुष्पा को उपप्रधान, प्रथम वर्ष की मनप्रीत कौर को सचिव, तृतीय वर्ष के लवदीप सिंह को उपसचिव तथा प्रिंस को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

पुलिस ने दी नशा तस्करों के ठिकानों पर दबिश



सिरसा। जिले में नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए एक बार फिर सिरसा पुलिस ने रानियां कस्बे में नशा तस्करों के ठिकानों पर दबिश दी। ऐलनाबाद के डीएसपी सुभाष चंद्र के नेतृत्व में चले इस विशेष सर्च अभियान के दौरान पुलिस की चार टीमों ने डॉग स्क्वायड को साथ लेकर वार्ड नंबर 7 और 8 में संदिग्ध मकानों पर छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों में हडक़ंप की स्थिति देखी गई। जिले में नशा तस्करी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में रानियां के वार्ड नंबर 7 और 8 में पुलिस टीमों ने संदिग्ध लोगों के घरों की तलाशी ली। पुलिस को आशंका थी कि नशा तस्करी में संलिप्त लोग अपने मकानों में नशीला पदार्थ छिपाकर रख सकते हैं।

सिरसा में डांडिया उत्सव की धूम, उमड़ा जनसैलाब



सिरसा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में शहर के अग्र बंधुओं और आम नागरिकों ने डांडिया और गरबा की थाप पर जमकर मस्ती की। प्रधान गौरव गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा नेता मनीष सिंगला, प्रदीप रातुसरिया, नवीन केडिया ने उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन और माता दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और महाआरती के साथ हुई। मुख्य अतिथि मनीष सिंगला ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में एकता, आपसी भाईचारा और सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के आधुनिक दौर में जहां लोग अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे आयोजन हमें अपनी संस्कृति से जोड़ रहे है।

रामलीला : छल से सीता को हर ले गया रावण



सिरसा। श्री रामा क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जनता भवन रोड स्थित रामलीला ग्राउंड में आयोजित 77वें रामलीला महोत्सव में भगवान राम की वनवास लीला का मंचन किया गया। वन में रावण की बहन सूर्पनखा का राम लक्ष्मण पर मोहित होना, सीता पर हमला करने का प्रयास करना और बाद में लक्ष्मण के द्वारा सूर्पनखा की नाक कटना इत्यादि दृश्य दिखाए गए। राम लक्ष्मण के साथ खर दूषण का युद्ध, रावण के दरबार में सूर्पनखा का आना और उसे सीता हरण के लिए प्रेरित करना, रावण व मारीच संवाद, रावण के द्वारा सीता का छल पूर्वक हरण, सीता को बचाते समय पक्षी राज्य जटायु का मर जाना सहित अन्य प्रसंग मंच पर प्रस्तुत किए गए।

आयुर्वेद में बीमारियों के उपचार की अपार संभावनाएं



ओढां। शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल सिरसा की ओर से गांव जलालआना में चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयुर्वेदिक अस्पताल से एमडी डॉ. अजय गोपलानी ने कहा कि आयुर्वेद में छोटी से लेकर बड़ी बीमारियों के उपचार की संभावनाएं हैं और लोगों का रुझान भी इस पद्धति के प्रति बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार मरीज उपचार के लिए पर्याप्त समय नहीं देना चाहते, जबकि आयुर्वेदिक उपचार में धैर्य और नियमितता जरूरी होती है। उन्होंने आयुर्वेद के माध्यम से रोगों के मूल कारणों पर ध्यान देने की बात कही। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. साक्षी चौहान ने कहा कि शरीर के अन्य अंगों की तरह दांतों का भी विशेष महत्व है।

शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव: डॉ. हेमलता

सिरसा। श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट, सिरसा का 26वां छात्रवृत्ति समारोह रविवार को श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के प्रधान ओमप्रकाश सुथार ने बताया समारोह में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. हेमलता जांगिड़, एमडी पैथोलॉजी, एम्स नई दिल्ली एवं असिस्टेंट प्रोफेसर, हिस्टोपैथोलॉजी, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने शिरकत की, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. वनीता सुथार, एमडीएस एवं प्रोफेसर, पीरियोडॉन्टिक्स, जेसीडी डेंटल कॉलेज सिरसा थी। मुख्यातिथि डॉ. हेमलता जांगिड़ ने कहा कि श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का प्रयास सराहनीय है। समाज के बहुत से अभिभावक ऐसे हैं, जोकि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने बच्चों को उनके मनमाफिक शिक्षा नहीं दिलवा पाते। ऐसे बच्चों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम बेहद कारगर है। उन्होंने मेधावी बच्चों को भी प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे मेहनत कर अपना व अपने अभिभावकों का नाम रोशन करें।

मंडियों में धान के स्टॉक का समयबद्ध उठान सुनिश्चित करें अधिकारी: उपनिदेशक

सिरसा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के उपनिदेशक सुरेंद्र सैनी ने शनिवार को जिले में कार्यरत परिवहन, श्रम एवं ढुलाई ठेकेदारों के साथ बैठक कर मंडियों में खरीदे गए धान के स्टॉक की वर्तमान स्थिति और उसके उठान कार्य की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को धान का समयबद्ध उठान सुनिश्चित करने तथा मंडियों में अनावश्यक रूप से स्टॉक जमा न होने देने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उन्होंने मंडी का दौरा कर धान खरीद कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मंडी में खरीद के लिए पहुंचे धान के स्टॉक की गुणवत्ता, नमी की मात्रा तथा उठान की स्थिति का जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों एवं खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए कि धान की गुणवत्ता और नमी की जांच निर्धारित मानकों के अनुसार सुनिश्चित की जाए। साथ ही, धान के स्टॉक का उचित रखरखाव किया जाए और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखते हुए किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों में खरीदे गए धान का समयबद्ध उठान सुनिश्चित किया जाए।





विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट सहित अन्य कानूनों के प्रति किया जागरूक

सिरसा। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कंवरपुरा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शेरपुरा में विद्यार्थियों को बाल संरक्षण, बाल अधिकारों तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के चेयरमैन डॉ. मदनलाल, अनिल कुमार, भावना शर्मा और निधि मेहता ने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीडऩ की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से सहायता लेने तथा अपने आसपास होने वाली बाल विवाह जैसी घटनाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के चेयरमैन डॉ. मदनलाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों, बच्चों को यौन शोषण से बचाने तथा किसी भी प्रकार के शोषण की स्थिति में उचित सहायता प्राप्त करने के बारे में बताया गया। इसके साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को रोकने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

संघ की बैठक में समाज उत्थान पर मंथन



सिरसा। जिला कुम्हार कर्मचारी संघ, सिरसा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को कुम्हार धर्मशाला, रानियां रोड, सिरसा में हरदयाल बेरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज के स्वजातीय कर्मचारियों एवं अधिकारियों की एकजुटता, संगठन के विस्तार, आपसी सहयोग तथा समाज के उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला कुम्हार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरदयाल बेरी, उपाध्यक्ष पृथ्वी राज रेवडिया, जिला कुम्हार सभा के उपाध्यक्ष जीत सिंह जलंधरा, सचिव संजय निरानिया तथा बाल कल्याण समिति के चेयरमैन मदन ढुंढाडा, जयकरण बिरथल सहित अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

25 फीट की तलवार और मूंछें होंगी आकर्षण का केंद्र

फतेहाबाद में 60 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

- दशहरे को लेकर हुडा सेक्टर के ग्राउंड में तैयारियां तेज, 55 फीट का कुंभकर्ण और 50 फीट का मेघनाद भी होगा तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद



फतेहाबाद। दशहरा पर्व के लिए रावण के पुतले का चेहरा तैयार करते हुए कारीगर। फोटो : हरिभूमि

शहर में दशहरा पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। हिसार रोड स्थित हुड्डा सेक्टर में सिटी थाने के पास दशहरा ग्राउंड में 20 अक्टूबर को रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा। इस बार 60 फीट ऊंचा रावण आकर्षण का केंद्र रहेगा। उसके हाथ में 25 फीट लंबी तलवार और 25 फीट लंबी मूंछें होंगी। वहीं, 55 फीट ऊंचे कुंभकर्ण और 50 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतले भी तैयार किए जा रहे हैं। सर्व समाज त्योहार हित कमेटी के तत्वावधान में होने वाले आयोजन को लेकर कारीगर दिन-रात जुटे हुए हैं। ग्राउंड में पुतलों के प्रमुख अंग तैयार हो चुके हैं। अब रंग-रोगन और सजावट का काम अंतिम चरण में है। कारीगरों के अनुसार, 20 अक्टूबर को पुतलों के सभी हिस्सों को दशहरा ग्राउंड में लाकर जोड़ा जाएगा। इसके बाद उनमें भूसा और पटाखे भरे जाएंगे। शाम को विधि-विधान के साथ पुतलों का दहन किया जाएगा। इससे पहले दोपहर में भगवान श्रीराम की सेना शहर में विजय जुलूस निकालते हुए मेला ग्राउंड पहुंचेगी।

रावण के मुकुट और चोटी की लंबाई ही 15 फीट

इस बार रावण के पुतले को खास आकार और भव्यता दी गई है। करीब 60 फीट ऊंचे पुतले के मुकुट और चोटी की लंबाई 15 फीट रखी गई है। इसके हाथ-पैर 10-10 फीट के बनाए गए हैं। हाथ में 25 फीट लंबी तलवार और इतनी ही लंबी मूंछें उसकी विशालता को और खास बनाएंगी। वहीं, मेघनाद के हाथ में 25 फीट लंबी छुरी होगी। तीनों पुतलों को आकर्षक रूप देने के लिए रंगों और सजावट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

14 साल की उम्र में पहली बार बनाया था पुतला

पुतले बनाने की जिम्मेदारी शहर के कारीगर रवि आहूजा संभाल रहे हैं। 36 वर्षीय रवि अपनी आठ सदस्यीय टीम के साथ पिछले 15 दिनों से इस काम में जुटे हैं। यह कला उन्हें अपने पिता स्वर्गीय बंसी लाल आहूजा से विरासत में मिली है।

दशहरा : दोपहर 3:15 बजे निकलेगी शोभायात्रा

फतेहाबाद। सर्व समाज त्योहार सेवा ट्रस्ट की ओर से शहर में 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। आयोजन के तहत दोपहर 3:15 बजे श्री कृष्णा सेवा समिति धर्मशाला, जवाहर चौक से शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद शाम 5:15 बजे मिनी बाईपास, सेक्टर-10 में दशहरा पर्व का आयोजन होगा। कार्यक्रम में फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। ट्रस्ट की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार शोभायात्रा की मुख्य अतिथि नगर परिषद फतेहाबाद की वाइस चेयरमैन सविता टूटेजा होंगी, जबकि शोभायात्रा की अध्यक्षता पूर्व पार्षद अनीता कुक्कड़ करेंगी। दशहरा पर्व के कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के चेयरमैन राजेंद्र खिची करेंगे। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन में शहरवासियों भागीदारी करेंगे।